

DWSM-02

December - Examination 2025

Diploma in Watershed Management Examination

(जल स्रोत प्रबंध में डिप्लोमा)

जल ग्रहण विकास गतिविधियाँ—आयोजन चरण

Paper : DWSM-02

[Time: 3 Hours]

[Maximum Marks: 100]

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—'अ'

10×2=20

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ कीजिए –
 - (i) मानसून थू को परिभाषित कीजिए।
 - (ii) तलमापी के प्रकार बताइए।
 - (iii) सहभागी ग्रामीण आकलन की आवश्यकता बताइए।
 - (iv) सीढ़ीनुमा खेती क्या है?
 - (v) अपवर्तक नालियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
 - (vi) शेखावाटी बेसिन की मुख्य समस्या क्या है?
 - (vii) प्रक्षेत्र जलाशय को परिभाषित कीजिए।
 - (viii) गेहूँ की चार उन्नत किस्में बताइए।
 - (ix) नाडेप कम्पोस्ट की परिपक्वता कैसे ज्ञात करते हैं?
 - (x) विभागीय पौधशालाएं क्या हैं?

खण्ड—'ब'

4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. कम्पास सर्वेक्षण की विधि बताइए।
3. मृदा उपयुक्ता वर्गीकरण पर टिप्पणी कीजिए।
4. टीबा स्थिरीकरण पर टिप्पणी कीजिए।
5. लवण प्रभावित मृदायों के बनने के कारण बताइए।
6. लवणीय एवं क्षारीय भूमियों के पहचान के तरीके बताइए।
7. सिल्वी पेस्टोरल पद्धति क्या है?
8. चारागाह विकास कार्य कैसे किया जाता है?
9. पौधों की ग्रेडिंग कैसे करते हैं?

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. जल बहाव पर प्रभाव डालने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।
11. राजस्थान में जलग्रहण क्षेत्रों की जल भूमि संबंधी समस्याएं बताइए एवं संभावित कार्यनीति प्रस्तावित कीजिए।
12. कृषि-वानिकी हेतु पेड़ों की प्रजातियों की विशेषताएं बताइए।
13. कृषि-वानिकी कार्यक्रम को विस्तार से समझाइए।
